दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom
बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२७५ वा | सोमवार ५ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मौलाना ग़ुलाम मोहम्मद वस्तानवी का इंतेक़ाल, मुस्लिम उम्मत के लिए अपूरणीय क्षति

मुंबई, ४ मई संवाददाता
जामिआ इस्लामिया इशाअतुल उलूम अक्कलकुवा के प्रमुख, दारुल उलूम देवबंद की शूरा के सदस्य और प्रख्यात इस्लामी विद्वान मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का आज निधन हो गया। उनके इंतक़ाल को मुस्लिम समाज के लिए एक गहरा सदमा और अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। मौलाना वस्तानवी एक तक़वा से भरपूर बुज़ुर्ग, आशिक-ए-रसूल और दीनी सेवाओं में हमेशा अग्रणी रहने वाली शख़्सियत थे। वह लगभग एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे थे। कुछ दिनों पूर्व तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें पहले औरंगाबाद के एशियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहाँ उनके बेटे डॉक्टर हैं। इसके बाद उन्हें औरंगाबाद के ही एक अन्य निजी अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया।

कुछ दिन पूर्व उन्हें अक्कलकुवा स्थित उनके घर लाया गया, जहाँ आज दोपहर लगभग २:३० बजे उनका इंतक़ाल हो गया। उनकी नमाज़-ए-जनाज़ा आज रात अक्कलकुवा में अदा की गई।

मौलाना वस्तानवी को दीनी और तालीमी सेवाओं में एक विशेष मुक़ाम हासिल था। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मुस्लिम उम्मत की भलाई और तालीम के लिए समर्पित कर दी थी। उनकी शैक्षणिक कोशिशों ने मुसलमानों में नई चेतना और तरक्की का रास्ता खोला।

उनकी सेवाओं को दुनियाभर के दीनी व तालीमी हलकों में सराहना की नज़र से देखा जाता है। उनके इंतक़ाल की खबर ने पूरे भारत के धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक जगत को गमगीन कर दिया है।

मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का जन्म १ जून १९५० को कोसाड़ी, ज़िला सूरत (गुजरात) में हुआ था। १९५२ या १९५३ में उनका परिवार वस्तान शिफ्ट हुआ, जिसके कारण वे 'वस्तानवी' कहलाए। उन्होंने अपनी शुरुआती तालीम मदरसा क़ुव्वतुल इस्लाम, कोसाड़ी में हासिल की, जहाँ उन्होंने हिफ़्ज़-ए-क़ुरआन

मुकम्मल किया।

इसके बाद उन्होंने मदरसा शम्सुल उलूम, बड़ौदा में तालीम पाई और फिर १९६४ में दारुल उलूम फलाह-ए-दारैन, टडकेश्वर (गुजरात) में दाख़िला लिया। यहाँ आठ वर्षों तक तालीम हासिल कर १९७२ में फ़ारिग़ हुए। उनके उस्तादों में मौलाना अहमद बीमात, मौलाना अब्दुल्ला कापोद्रवी, मौलाना शेर अली अफगानी और मौलाना जुल्फिकार अली शामिल हैं।

१९७२ के अंतिम दौर में उन्होंने मज़ाहिर उलूम, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में दाख़िला लिया और १९७३ में दर्स-ए-हदीस मुकम्मल किया। उन्होंने सहीह बुखारी मौलाना मोहम्मद यूसुफ जौनपुरी से पढ़ी। इसके अलावा उन्होंने एमबीए की डिग्री भी हासिल की।

१९७० में जब वे दारुल उलूम फलाह-ए-दारैन के तलबा थे, तब उन्होंने मौलाना ज़करिया कांधलवी से इस्लाह का संबंध कायम किया और १९८२ में उनके इंतेक़ाल तक उनके मार्गदर्शन में रहे। बाद में उन्होंने मौलाना सैयद सिद्दीक़ अहमद बांदवी से रुजू किया और उनके खलीफा व मुजाज़ बने। इसके अलावा उन्हें मौलाना यूसुफ जौनपुरी से भी इजाज़त-ए-बैअत मिली थी।

उनकी मौत पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आज़मी ने गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि मौलाना वस्तानवी एक ऐसे आलिम और फकीर थे जिन्होंने पुराने और नए तालीमी नज़रीयों को जोड़कर उम्मत को एक नया सोच दिया। वे खालिसियत, सादगी और मज़बूत इरादों के मालिक थे।उन्होंने कहा कि मौलाना वस्तानवी ने सियासत और सता की होड़ से दूर रहकर, इख़लास के साथ एक ऐसा मिशन खड़ा किया जिसे बड़ी से बड़ी तंजीम भी अंजाम नहीं दे सकी। उनकी शख़्सियत इल्म और हिकमत का खज़ाना थी। उनके इंतेक़ाल से जो ख़ला पैदा हुआ है, उसकी भरपाई मुमकिन नहीं है।अल्लाह तआला मौलाना वस्तानवी की मग़फ़िरत फरमाए, उनके दर्जात बुलंद करे और उनके परिवार, शागिर्दों और मुरीदों को सब्र जमील अता फरमाए, आमीन, दैनिक तामीर वसतानवी खानदान के ग़म में बराबर का शरीक हैं।

यूट्यूब चैनल बंद करने से बदला नहीं होता, इंदिरा गांधी का इतिहास देखो: संजय राऊत का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

– रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को बंद करना और हाई कमीशन के स्टाफ में कटौती करना बदले की कार्रवाई मानी जा सकती है क्या? इस सवाल के साथ शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता और सांसद संजय राऊत ने रविवार को केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी को बदला कैसे लिया जाता है, यह समझने के लिए इंदिरा गांधी के इतिहास को देखना चाहिए।

१२ दिन बीतने के बाद भी नहीं मिला जवाब:

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर राऊत ने कहा कि इस घटना को १२ दिन बीत चुके हैं, जिसमें हमारे २७ जवान शहीद हुए, लेकिन अब तक भारत ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, हर दिन खबरें आती हैं – २१ पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल बंद किए गए, पाकिस्तान हाई कमीशन के स्टाफ में कटौती की गई – क्या इसे बदला कहते हैं?

राजनीतिक विरोधियों से बदला लेते हैं, पाकिस्तान से कब लेंगे?

राऊत ने कहा कि बीजेपी अपने राजनीतिक विरोधियों से तो चुन-चुन कर बदला लेती है – उनकी पार्टियां तोड़ती है, उन्हें जेल में डालती है, उनके परिवारों को परेशान करती है – तो फिर पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा क्यों नहीं होता? उन्होंने पूछा कि जब दुश्मन सामने खड़ा हो और हमारी जवाबी कार्रवाई सिर्फ यूट्यूब चैनल बंद करना हो, तो यह देश के लिए डरावनी स्थिति है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री इधर-उधर घूम रहे हैं, लोगों से गले मिल रहे हैं – क्या इसे बदला लेना कहते हैं? सरकार और बीजेपी अब सिर्फ विरोधियों को निशाना बनाने में लगे हैं। लेकिन अब यह भी आसान नहीं रहा।

लाडकी बहन योजना और अजित पवार पर भी हमला:

संजय राऊत ने लाडकी बहन योजना और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, लाडकी बहन योजना अब बंद हो चुकी है। प्रचार में २१०० की बात हुई थी, अब वह १५०० से घटकर ५०० हो गई है। अजित पवार कहते हैं कि मैंने कुछ नहीं कहा, कर्जमाफी का भी वादा नहीं किया, लेकिन सरकार तो आपकी है। हर मंत्री कहता है – 'मेरा पैसा'। आख़िर ये पैसा आपका कैसे हो गया? यह तो सरकारी पैसा है, आपके जेब का नहीं।

सामाजिक विभाग की फर्जीवाड़े की आलोचना: उन्होंने मंत्री संजय शिरसाट पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, आपने अपने विभाग के पैसे को दूसरी योजना में ट्रांसफर कर दिया और कहा कि 'बहनों को पैसा दिया।' यह तो जनता के पैसे की जेबकटी है। अब चुनाव जीतने के लिए इस तरह की जेबकतरी आसान नहीं रही।

उन्होंने अंत में कहा, अजित पवार एक सशक्त वित्त मंत्री हैं, हमने उन्हें देखा है, लेकिन यह जो कुछ हो रहा है, वह धोखाधड़ी है।

निष्कर्ष: संजय राऊत के बयानों ने एक बार फिर राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने न सिर्फ केंद्र सरकार की पाकिस्तान नीति को चुनौती दी, बल्कि महाराष्ट्र सरकार की योजनाओं और उसके प्रमुख नेताओं की कार्यशैली पर भी करारा हमला बोला है।

ईवीएम या बैलट पेपर से बीजेपी के राक्षसी शासन का होगा अंत, नृसिंह अवतार की तरह बदलाव आएगा-हर्षवर्धन सपकाळ

परभणी में कांग्रेस की 'सद्भावना यात्रा' का भव्य स्वागत, आज होगी 'संविधान बचाओ यात्रा'

परभणी, ५ मई:

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा है कि जैसे भक्त प्रह्लाद की सच्ची श्रद्धा से नृसिंह अवतार प्रकट हुआ था, वैसे ही आज देश में ईवीएम या बैलट पेपर के माध्यम से नृसिंह अवतार का जन्म होगा जो बीजेपी की राक्षसी प्रवृत्ति, भ्रष्टाचार और तानाशाही शासन का अंत करेगा। वे प्रभणी में निकाली गई कांग्रेस की 'सद्भावना यात्रा' को संबोधित कर रहे थे।

हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि प्रह्लाद की भक्ति में सच्चाई और सिद्धांतों की दृढ़ता थी, और यही प्रतिबिंब कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विचारों, नैतिकता और व्यवहार में भी झलकता है। उन्होंने कहा कि जब हम कांग्रेस की बात करते हैं तो सामने एक ऐसी पार्टी खड़ी नजर आती है जो रावण की तरह दमन और अत्याचार की प्रतीक है, और जो केवल पार्टी बदलने को ही मोक्ष का रास्ता मानती है।

इस 'सद्भावना यात्रा' का उद्देश्य

सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देना था। यात्रा की शुरुआत सुबह पोखरनी में नृसिंह देव के दर्शन के साथ की गई। यात्रा का नेतृत्व खुद प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने किया।

इस अवसर पर कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे जिनमें विधान परिषद सदस्य और कांग्रेस विधायक दल के नेता सतीज उर्फ बंटी पाटिल, पूर्व मंत्री नितिन राउत, एआईसीसी सचिव कुणाल चौधरी, सांसद डॉ. कल्याण काले, सांसद रविंद्र चौहान, पूर्व मंत्री सुरेश वरपुडकर, रमेश बागवे, सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष विलास ओटाडे, प्रभणी शहर कांग्रेस अध्यक्ष नदीम इनामदार, एडवोकेट गणेश पाटिल, मोहन जोशी, तूकाराम रेंगे पाटिल, बृजदत्त, रामचंद्र दलवी, मुजाहिद खान, केदार सालुके, बाला साहब देशमुख, अभय देशमुख सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हर्षवर्धन सपकाळ ने अपने भाषण में कहा कि राज्य में कुछ शक्तियां जानबूझकर सामाजिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रही हैं। प्रभणी में हाल ही की घटनाएं इसी साज़िश का हिस्सा हैं। ऐसे माहौल में कांग्रेस ने भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए यह 'सद्भावना यात्रा' निकाली है। इससे पहले बीड़ जिले के मसाजोग, नागपुर और नासिक में भी ऐसी यात्राएं निकाली जा चुकी हैं, और कल परली में 'सद्भावना सत्याग्रह' किया गया।

बंटी पाटिल का सरकार पर हमला:

कांग्रेस विधायक दल के नेता सतीज उर्फ बंटी पाटिल ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब सत्ताधारी वर्ग अपने राजनीतिक फायदे के लिए समाज में नफरत फैला रहा है, ऐसे समय में कांग्रेस हर्षवर्धन सपकाळ के नेतृत्व में एकता और भाईचारे की ज्योत जला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता को लूटकर उद्योगपतियों और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, और 'शक्ति पीठ महामार्ग' के बहाने किसानों की उपजाऊ जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है। कांग्रेस इस साज़िश को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी।

१६ किलोमीटर की पदयात्रा:

आज की 'सद्भावना यात्रा' के दौरान सुबह ८ किलोमीटर और दोपहर में भी ८ किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकाली गई। शाम को यात्रा का समापन माहिर मंगल कार्यालय में किया गया।

संविधान बचाओ यात्रा और सम्मेलन आज:

सोमवार ५ मई को प्रभणी शहर के अक्षित मंगल कार्यालय में कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चिन्नी थला की उपस्थिति में 'संविधान बचाओ यात्रा' और 'संविधान सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा।

दलित नेता विजय वाकोड़े को दी श्रद्धांजलि:

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ और बंटी पाटिल ने प्रभणी में हाल ही में सामाजिक आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले दलित नेता विजय वाकोड़े के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाक़ात की और संवेदना प्रकट की। इस मौके पर पूर्व सांसद और प्रदेश उपाध्यक्ष तूकाराम रेंगे पाटिल, शहर अध्यक्ष नदीम इनामदार, एडवोकेट मुजाहिद खान, नागसिंह भिरजे, तौफीक मोलानी समेत कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

दारू की नशे में बाप ने की बेटे की हत्या

मजलगांव, ४ मई (प्रतिनिधि):

पिछले एक महीने से मजलगांव में दिनदहाड़े हो रही हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे विधायक प्रकाश सोलंके के विधानसभा क्षेत्र में यह तीसरी हत्या सामने आई है। ताज़ा मामला मजलगांव शहर के पास स्थित खानापुर गांव का है, जहाँ शराब के नशे में एक पिता ने अपने ही बेटे की जान ले ली। इस सनसनीखेज घटना से एक बार फिर मजलगांव सुर्खियों में आ गया है।

मृतक युवक की पहचान रोहित गोपाल कांबले के रूप में हुई है, जबकि उसके पिता गोपाल विठ्ठल कांबले को आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि शराब लाने को लेकर पिता-पुत्र के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। महज आठ दिन पहले रोहित कांबले ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की भी कोशिश की थी।

रविवार (४ मई) की सुबह दोनों शराब के नशे में थे, तभी एक बार फिर झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान पिता ने पास में पड़ा लकड़ी का डंडा उठाकर बेटे के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मजलगांव शहर पुलिस थाने के निरीक्षक राहुल सूर्यतळ, सहायक निरीक्षक आकाश माकणे व अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मजलगांव ग्रामीण अस्पताल भेजा। आरोपी पिता को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

देश की प्रख्यात शख्सियत मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का इंतकाल

जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज मोहम्मद नदीम सिद्दीकीने जताया दुख

४ मई (प्रेस विज्ञप्ति):

देश की मशहूर और जानी-मानी धार्मिक , बुज़ुर्ग आलिम-ए-दीन, जामिआतुल इशाअतुल उलूम अकलकुवा, महाराष्ट्र के प्रमुख और दारुल उलूम देवबंद की शूरा के सदस्य मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्टानवी का आज ४ मई, रविवार को दोपहर २ बजे इंतकाल हो गया। इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इल्यहि राजिऊनद्द उनके निधन की ख़बर से पूरे देश के इल्मी, दीनी हलकों, उलमा, तलबा और आम लोगों में ग़म की लहर दौड़ गई।

जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज मोहम्मद नदीम सिद्दीकी ने गहरे रंज और अफ़सोस का इज़हार करते हुए कहा कि मौलाना वस्टानवी का इंतकाल मौतुल आलिम मौतुल आलम की मिसाल है। उनके जाने से जो खालीपन पैदा हुआ है, उसकी भरपाई मुश्किल है। यह एक बड़ा नुकसान है, जो अवाम और खास दोनों के लिए भारी है। अल्लाह ने उन्हें बेशुमार खूबियों और सलाहियतों से नवाज़ा था।

मौलाना वस्टानवी एक अज़ीम आलिम, खालिस रहनुमा और उम्मत का दर्द रखने वाली शख्सियत थे। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी इल्म-ओ-दीन की तालीम, तालीमी पिछड़ेपन को दूर करने और मुसलमानों की तरक़्क़ी के लिए वक्फ कर दी थी।

उनकी सरपरस्ती में चल रहे इदारों ने लाखों तलबा को तालीम से आरास्ता किया और उन्हें दीन और दुनिया के मैदान में मुक़ाम हासिल करने के काबिल बनाया। उनकी दूरअंदेशी और अस्र-ए-हाज़िर की ज़रूरतों को समझते हुए उन्होंने दिनी मदरसों में मआसिर तालीम (आधुनिक शिक्षा) को शामिल करने की कोशिशें कीं, जो हमेशा याद रखी जाएंगी।

दारुल उलूम देवबंद के प्रमुख और जामिआतुल इशाअतुल उलूम के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अपनी बसीरत और इंतेज़ामी सलाहियतों का लोहा मनवाया। मौलाना वस्टानवी से मेरे निजी संबंध थे और समय-समय पर अहम मसलों पर बातचीत होती रहती थी। जमीयत उलेमा के मंच से औरंगाबाद में उनकी सदारत में तहफ़्फ़ुज़ मदारेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित हुई थी, जिसके दूरगामी नतीजे सामने आए थे।

वह एक बाऔक़ार, संजीदा और हर किसी से मुहब्बत करने वाले आलिम थे। बेहद खामोश, मुनकसर और मिलनसार शख्सियत थे। उनके जाने से जो खला. पैदा हुआ है, वह लंबे वक्त तक महसूस किया जाएगा। अल्लाह उनकी नेकियों और दीनी खिदमात को क़बूल फरमाए और उनको बेहतर से बेहतर अज्र अता फरमाए।

इस मुश्किल घड़ी में हम मौलाना के परिवार, तमाम रिश्तेदारों, जामिआतुल इशाअतुल उलूम के जिम्मेदारों, उस्तादों और तलबा से ताज़ियत और दुआ-ए-मगफिरत पेश करते हैं। अल्लाह मौलाना की मगफिरत फरमाए और उन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता करे।

जमीयत उलेमा महाराष्ट्र का एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें मौलाना हाफिज मोहम्मद नदीम सिद्दीकी (अध्यक्ष), मौलाना मुफ्ती मोहम्मद रोशन शाह कासमी (जनरल सेक्रेटरी, जमीयत उलेमा विदर्भ), मौलाना मोहम्मद इब्राहीम कासमी (नाज़िम, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र), क़ारी शम्सुल हक कासमी (अध्यक्ष, मरहटवाड़ा), एडवोकेट माजिद पटेल और अन्य शामिल थे - ने अकलकुवा पहुंचकर नमाज़-ए-जनाज़ा और दफ़न में शिरकत की। इसके साथ ही मौलाना के बेटे मौलाना हज़ीफ़ा वस्टानवी से मुलाक़ात कर ताज़ियत और दुख का इज़हार किया।

मौलाना नदीम सिद्दीकी ने सूबे भर के सभी जमीयती अहबाब, इमामों और मदरसों के ज़िम्मेदारों से अपील की है कि वे मौलाना वस्टानवी के लिए ईसाल-ए-सवाब और दुआ-ए-मगफिरत का ख़ास एहतमाम करें।

मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी की बहुआयामी सेवाएं हमेशा याद रखी जाएंगी-अमीर जमात-ए-इस्लामी हिंद

अमीर जमात ने जताया गहरा शोक, जताया मौलाना एक मुखलिस रहनुमा और दिनी व असरी तालीम के माहिर थे

४ मई (प्रेस विज्ञप्ति):

जाने-माने आलिम-ए-दीन मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी के निधन पर अमीर जमात-ए-इस्लामी हिंद सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने गहरे रंज व ग़म का इज़हार करते हुए कहा कि मौलाना की रुख़सत ऐसे नाज़ुक दौर में मिल्लत-ए-इस्लामिया हिंद के लिए एक बड़ा नुकसान है। उनके निधन से हम एक ऐसे सच्चे सेवक-ए-कुरआन, बेहतरीन प्रशासक, दीन व दुनिया की शिक्षा के माहिर और दूरअंदेश आलिम से महरूम हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि क़ौमों की तरक़्क़ी में संस्थाओं का निर्माण और बेहतर इंतज़ाम एक अहम किरदार निभाते हैं, और मौलाना वस्तानवी की ज़िंदगी इसी खूबी की चमकदार मिसाल थी। उन्होंने तमाम मुश्किलों और चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए कई दिनी व आधुनिक तालीमी इदारे क़ायम किए और उन्हें अपनी सूझबूझ, दूरदर्शिता और बेहतरीन प्रशासन से एक ऊँचे दर्जे के इदारों में शुमार करवा दिया।

उन्होंने आगे कहा कि दीन और मआसिर (आधुनिक) तालीम के मेल की बातें अक्सर की जाती रही हैं, लेकिन मौलाना वस्तानवी की सरपरस्ती में जो कामयाब और असरदार तजुर्बा हुआ, वह मुल्क भर में एक मिसाली मॉडल बन गया।

मौलाना वस्तानवी ने प्रोफेशनल एजुकेशन के साथ दीन की तालीम और किरदार की तरबियत का जो संगम पेश किया, वह मिल्लत की एक पुरानी ख्वाहिश थी जिसे उन्होंने हकीकत में बदल दिया। वह एक ज़मीनी, अमली और तजुर्बेकार शख्सियत थे जो वक्त की ज़रूरतों को न केवल समझते थे बल्कि उन्हें हिकमत, एतिदाल और तवाज़ुन के साथ पूरा भी करते थे।

अमीर जमात ने कहा कि मौलाना वस्तानवी की ये तमाम खूबियाँ, जिनमें इखलास, सब्र, इस्तेक़ामत और ईसार भी शामिल हैं, उन्हें मिल्लत के उन अज़ीम मुहसिनों की कतार में खड़ा करती हैं जिनकी सेवाएं कभी भुलाई नहीं जा सकतीं।

उन्होंने मौलाना को मिल्लत के इत्तेहाद (एकता) का सच्चा पैरोकार बताया। मौलाना सभी फिरकों और स्कूल-ए-फ़िक्र के उलमा और रहनुमाओं से अच्छे ताल्लुकात रखते थे और उनकी दीनी खिदमात को क़दर की नज़र से देखते थे।

अमीर जमात ने मौलाना से अपने व्यक्तिगत रिश्तों का ज़िक्र करते हुए बताया कि, हमारे रिश्ते उस समय से हैं जब मैं एसआईओ का सदर था। वे एसआईओ के कई प्रोग्रामों में तशरीफ़ लाए और उन्होंने बड़ी शफक़त से अपने इदारे का दौरा और मुआइना भी कराया। नौजवानों की रहनुमाई, हौसला अफज़ाई और तरबियत उनकी शख्सियत की खास पहचान थी। अंत में, अमीर जमात ने मौलाना वस्तानवी के परिवार, ख़ासकर उनके सुपुत्र हज़ीफ़ा वस्तानवी से ताज़ियत पेश की और दुआ की कि अल्लाह तआला मौलाना की मग्फ़िरत फरमाए, उनके दर्जात बुलंद करे, उनकी बे मिसाल खिदमात को सदक़ा-ए-जारिया बनाए और उनके मिशन को जारी रखने की तौफ़ीक अता करे।

आज घोषित होगा बारहवीं का परीक्षा परिणाम

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित फरवरी-मार्च २०२४ में हुई उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र (HSC/बारहवीं) परीक्षा का परिणाम सोमवार, ५ मई को दोपहर १ बजे ऑनलाइन घोषित किया जाएगा। यह जानकारी मंडल के सचिव देवीदास कुलाळ ने दी है।

यह परीक्षा राज्य के पुणे, नागपुर, छत्रपती संभाजीनगर, मुंबई, कोल्हापुर, अमरावती, नाशिक, लातूर और कोकण - इन नौ विभागीय मंडलों के माध्यम से आयोजित की गई थी।

परीक्षा परिणाम निम्नलिखित अधिकृत वेबसाइट्स पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा:

1. https://results.digilocker.gov.in
2. https://mahahsscboard.in
3. http://hscresult.mkcl.org
4. https://results.targetpublications.org
5. https://results.navneet.com
6. https://www.tv9hindi.com/education/board-exams/maharashtra-board-exams
7. https://education.indianexpress.com/boards-exam/maharashtra-hse-12-results
8. https://www.indiatoday.in/education-today/results
9. https://www.aajtak.in/education/board-exam-results

परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थियों के विषयवार अंक इन वेबसाइटों पर उपलब्ध रहेंगे, जिन्हें प्रिंट आउट के रूप में डाउनलोड भी किया जा सकेगा। साथ ही, ऊ्ळसळडेल्ज्ञशी ऐप में डिजिटल मार्कशीट को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने की सुविधा भी दी गई है।

इसके अलावा, कॉलेजों को संयुक्त परिणाम र्हीींिः//ारहरहीललेरीव.ळप (ळप लेश्रश्रशसश श्रेसळप) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी मंडल की ओर से जारी एक प्रेस नोट में दी गई है।

वरिष्ठ अधिवक्ता और स्वतंत्रता सेनानी एडवोकेट जगन्नाथ औटे का निधन

बीड, ४ मई (प्रतिनिधि):

बीड जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी और श्री नारायणगड शिक्षण प्रसारक मंडळ के अध्यक्ष एडवोकेट जगन्नाथराव रंगनाथराव औटे का रविवार, ४ मई को दोपहर १२ बजे निधन हो गया। वे ९२ वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार शाम ७ बजे भगवान बाबा प्रतिष्ठान के पास स्थित श्मशानभूमि में किया गया।

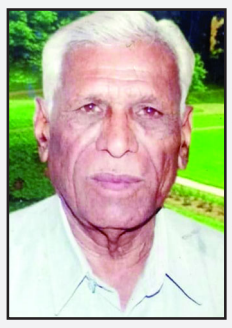

उनका जन्म पाचंग्री नामक छोटे से गांव में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा जातेगांव में पूरी करने के बाद उन्होंने पुणे से विधि शिक्षा ग्रहण की। वे बलभीमराव कदम द्वारा स्थापित 'मराठा बोर्डिंग' के छात्र रहे थे। स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। सत्यशोधक समाज की विचारधारा से वे विशेष रूप से प्रभावित थे।

एडवोकेट औटे ने बीड़ जिला न्यायालय में लगभग ६० वर्षों तक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कार्य किया। उनकी सेवा और अनुभव के लिए महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल की ओर से उन्हें सीनियर अडवोकेट का खिताब दिया गया था, जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के हाथों प्रदान किया गया।

बीड जिला वकील संघ की स्थापना और विकास में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। वे स्वयं एक चलते-फिरते विश्वविद्यालय की तरह थे। उन्होंने अनेक अधिवक्ताओं को मार्गदर्शन दिया और उनके कई जूनियर आज न्यायिक पदों पर कार्यरत हैं।

वकील पेशे से जुड़ने के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे बीड़ के प्रतिष्ठित श्री नारायणगड शिक्षण प्रसारक मंडळ के अध्यक्ष तथा विवेकानंद शिक्षण संस्था के संचालक भी रहे। एडवोकेट औटे हमेशा किसान, श्रमिक, ग़रीब, शोषित और अन्याय पीड़ित लोगों के लिए आवाज़ उठाते रहे। उनका कई सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं से घनिष्ठ संबंध था। वे सभी जूनियर अधिवक्ताओं में काका के नाम से प्रसिद्ध थे और वकील संघ के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। उनके निधन से बीड़ जिले ने एक महान स्वतंत्रता सेनानी, वरिष्ठ विधिज्ञ, और सामाजिक कार्यकर्ता को खो दिया है। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे, दो बेटियाँ, दामाद और नाती-पोते परिवार है। दैनिक तामीर इस दूख में औटी परिवार के साथ है।

आम आदमी पार्टी की 'सुराज्य मुहिम' मंगलवार को बीड़ में आयोजित

बीड़, ४ मई:

आम आदमी पार्टी की ओर से महाराष्ट्र भर में चल रही सुराज्य मुहिम के अंतर्गत मंगलवार, ६ मई २०२५ को बीड़ में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह बैठक शासकीय विश्रामगृह, बीड़ में सुबह ११ बजे से शुरू होगी।

इस बैठक में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में आम आदमी पार्टी महाराष्ट्र राज्य के सचिव एडवोकेट मनीष मोडक और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अभिजीत मोरे उपस्थित रहेंगे। इस दौरान आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव, बीड़ जिले में सामने आ रहे नागरिक समस्याएं, कार्यकर्ताओं के बीच संवाद, आम जनता को पार्टी से जोड़ने के प्रयास, और पार्टी के उद्देश्य आम नागरिकों तक पहुँचाने जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं में जोश भरना, आम जनता से संपर्क बढ़ाना, और आगामी चुनावों की रणनीति बनाना है। यह मुहिम पूरे महाराष्ट्र में १ मई से १५ मई २०२५ तक चल रही है।

बैठक के उपरांत दोपहर २ बजे एक पत्रकार परिषद आयोजित की जाएगी, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल बीड़ से स्वर्गीय संतोष अण्णा देशमुख (सरपंच, मसाजोग) के गांव रवाना होगा। वहां देशमुख परिवार और गांववासियों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की जाएगी। इसके बाद प्रतिनिधि मंडल लातूर के लिए प्रस्थान करेगा।

आम आदमी पार्टी बीड़ जिला अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक अशोक येडे ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहें और मुहिम को सफल बनाएं।

धनादेश बाउंस मामले में आरोपी को दोगुना जुर्माना और पांच महीने की सजा

बीड, ४ मई (प्रतिनिधि):

उधार दी गई रकम वापस न करने और उसके बदले दिए गए चेक के अनादरित (बाउंस) होने के मामले में न्यायालय ने आरोपी को चेक की रकम का दोगुना जुर्माना और पांच महीने के कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला बीड़ के प्रथम वर्ग न्याय दंडाधिकारी की अदालत ने सुनाया।

इस मामले में शिकायतकर्ता परमेश्वर रामभाऊ जमदाडे ने कैलास दत्तात्रय सुरवसे के खिलाफ न्यायालय में केस दर्ज कराया था। आरोप था कि आरोपी कैलास सुरवसे ने उधार लिए गए पैसों की एवज में १ लाख ८० हजार रुपये का चेक दिया था। लेकिन जब यह चेक बैंक में जमा किया गया, तो खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण वह बाउंस हो गया।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने न्यायालय की शरण ली। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता शशिकांत सावंत ने प्रभावी पक्ष रखा। अदालत ने आरोपी कैलास सुरवसे को चेक की राशि का दोगुना यानी ३ लाख ६० हजार रुपये जुर्माने के तौर पर अदा करने और साथ ही पांच महीने के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

इस मुकदमे में अधिवक्ता शशिकांत सावंत के साथ अधिवक्ता अभिषेक बहिर, माऊली डाके, प्रदीप दराडे, राजकुमार धरणे, मुकुंद लोणकर और राम खोसे ने सहयोग प्रदान किया।

दारू से भरी वाहन बिना कार्यवाही करे छोड़ना महेगा पडा!एस पी ने की कार्यवाही!

फौजदार और महिला जमादार निलंबित!

जिंतूर(एम एजाज जिंतूरकर)छत्रपती शिवाजी महाराज चौक अवैध दारू से भरी वाहन फौजदार और महिला बिट जमादार ने पकड कर आर्थिक तडजोड कर कार्यवाही ना करते हुवे छोड दिया था! इस प्रकरण की जानकारी जिल्हा पोलीस अधिक्षक रविन्द्र सिंह परदेसी को प्राप्त होते ही उसकी गंभीर दखल ली और फौजदार चंद्रशेखर देशपांडे, और महिला बिट जमादार लीला जोगदंड इनके निलंबन के आदेश निकाला!सविस्तर जानकारी इस प्रकार हैं!३१मार्च को रात के समय में एक वाहन में अवैध दारू ले जाई जा रही है! ऐसी जानकारी पोलीस को मिली! उस माहिती के आधार पर फौजदार चंद्रशेखर देशपांडे और महिला बिट जमादार लीला जोगदंड ये दोनों छत्रपती शिवाजी चौक में तैनात थे! उन्हें वाहन क्रं एम एच ०२बि जे ४५०९ में निशांत जैसवाल ये अवैध दारू ले जाता दिखाई दिया! तब फौजदार ने और महिला जमादार ने पोलीस कर्मचारी नामदेव धोत्रे और बालकृष्ण कांबले निशांत जैस्वाल ये दारू पिया या नहीं ये तपास ने के लिए! पोलीस स्टेशन जाकर मशीन लाने को कहा दोनों कर्मचारी पोलीस स्टेशन जाने के बाद उन्होंने परस्पर ही खुद का आर्थिक फ़ायदे के लिए! निशांत जैस्वाल के साथ सांठगांठ कर अवैध दारू से भरी वाहन छोड दिया! ये जानकारी पोलीस अधिक्षक रविन्द्र सिंह परदेशी को मिली! तो एस पी ने चौकशी कर अहवाल भेजने का आदेश पोलीस निरक्षक बुद्धिराज सुकाले दिया! पोलीस निरक्षक सुकाले ने इस प्रकरण की सखोल चौकशी कर अहवाल पोलीस अधिक्षक को भेजा!जिल्हा पोलीस अधिक्षक ने फौजदार चंद्रशेखर देशपांडे और महिला बिट जमादार लीला जोगदंड को महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम १९५१के कलम २५ मुंबई पोलीस (शिक्षा व अपील)नियम १९५६ नियम क्रमांक ३अन्वय निलंबित किया! फौजदार चंद्रशेखर देशपांडे और महिला जमादार लीला जोगदंड पर निलंबन की कार्यवाही से पोलीस प्रशासन में खलबली मच्ची है!तो महिला जमादार लीला जोगदंड के निलंबन की कार्यवाहीसे जिंतूर शहर वासियों को छुटकारा मिला है!

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com